भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **3674**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 21 मार्च, 2025/30 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाना है।

नैनो उर्वरकों का संवर्धन

3674. श्री राजीव प्रताप रूडी:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान नैनो उर्वरकों के विकास और संवर्धन में कुल कितना निवेश किया गया है;
(ख) क्या उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत नैनो उर्वरकों को शुरू करने के किसी प्रस्ताव पर विचार किया गया है;
(ग) सरकार द्वारा नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कितने ड्रोनों का वित्तपोषण किया गया है और इस प्रयोजनार्थ कितना बजटीय उपबंध किया गया है;
(घ) बिहार में किसानों को नैनो उर्वरकों का उपयोग करने के लिए कितनी सहायता दी गई है अथवा प्रोत्साहित किया गया है और राज्य में नैनो उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए क्या विशिष्ट पहल की गई है; और
(ड.) क्या छोटे और सीमांत किसानों के लिए नैनो उर्वरकों की पहुंच और वहनीयता सुनिश्चित करने के संबंध में कोई विशेष योजनाएं अथवा कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): भारत सरकार नैनो उर्वरक संयंत्रों की स्थापना में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं है। कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में नैनो उर्वरकों के विकास और संवर्धन में किया गया कुल निवेश निम्नानुसार है:-

(लाख रूपए में)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय	कुल वयय
1	मैसर्स कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड	5000.00	3609.00	8609.00
2	मैसर्स मेघमनी क्रॉप न्यूट्रिशन लिमिटेड	6824.96	3241.39	10066.35
3	मैसर्स पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड	3065.00	240.00	3305.00
4	मैसर्स इंडियन फार्मर्स कॉपरेटिव लिमिटेड	1981.91	300.84	2282.75
5	मैसर्स रे नैनो साइंस एंड रिसर्च सेंटर	4300.00	1452.26	5752.26
	कुल	**21171.87**	**8843.49**	**30015.36**

(ख): वर्तमान में**,** नैनो उर्वरकों के उत्पादन को किसी उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के अंतर्गत लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग): नैनो उर्वरकों के अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए**,** वर्ष 2023-24 में 15 उर्वरक कंपनियों द्वारा वर्ष अपने आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके एसएचजी की ड्रोन दीदियों को 1094 ड्रोन वितरित किए गए हैं।

(घ) से (ड.): बिहार राज्य सहित देश भर के किसानों में नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं -

i. भारत सरकार ने विभिन्न मंचों पर नैनो उर्वरकों के उपयोग के संबंध में राज्यों के साथ मामले को उठाया है। खरीफ मौसम, 2024 के लिए उर्वरकों के आकलन हेतु दिनांक 5 फरवरी से 9 फरवरी, 2024 तक आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में, कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया कि वे अपनी विस्तारित मशीनरी के माध्यम से अपने राज्यों में नैनो उर्वरक के उपयोग को बढ़ावा दें।

ii. रबी, 2024-25 मौसम के दौरान डीएएंडएफडब्ल्यू ने नैनो यूरिया और नैनो डीएपी की आवश्यकता का आकलन किया था। डीएएंडएफडब्ल्यू ने दिनांक 3 जुलाई, 2023 के पत्र के माध्यम से सभी राज्य सरकारों/यूटीएस/आईसीएआर संस्थानों को एसएयू/आईसीएआर द्वारा अनुशंसित पद्धतियों के पैकेज के अनुसार एनएफएसएम/एनएमईओ के तहत आयोजित किए जाने वाले प्रदर्शनों (क्लस्टर प्रदर्शन/ब्लॉक प्रदर्शन/क्लस्टर फ्रंट लाइन प्रदर्शन/फ्रंट लाइन प्रदर्शन) के लिए कैफेटेरिया ऑफ इंटरवेन्शंस में महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में नैनो-उर्वरकों के एफसीओ अनुमोदित अनुप्रयोग को शामिल करने की सूचना दी है।

iii. नैनो यूरिया के उपयोग को विभिन्न कार्यकलापों जैसे जागरूकता शिविरों, वेबिनारों, नुक्कड़ नाटकों, क्षेत्र प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्मों आदि के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

iv. संबंधित कम्पनियों द्वारा नैनो यूरिया और नैनो डीएपी प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) पर उपलब्ध कराए जाते हैं।

v. उर्वरक विभाग द्वारा नियमित रूप से जारी मासिक आपूर्ति योजना में नैनो यूरिया को शामिल किया गया है।

vi. आईसीएआर ने भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के माध्यम से हाल ही में "उर्वरकों (नैनो-उर्वरकों सहित) के कुशल और संतुलित उपयोग" पर राष्ट्रीय अभियान का आयोजन किया था।

vii. दिनांक 15 नवंबर, 2023 को शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) के दौरान नैनो उर्वरकों के उपयोग का प्रचार किया गया।

viii. पर्णीय अनुप्रयोग के माध्यम से नैनो यूरिया जैसे नैनो उर्वरकों के अनुप्रयोग और उपयोग को सुगम बनाने के लिए, 'किसान ड्रोन' जैसे नवोन्मेष छिड़काव विकल्प और खुदरा दुकानों पर बैटरी चालित स्प्रेयरों के वितरण जैसी पहलें की गई हैं। इस उद्देश्य के लिए, ग्राम स्तर के उद्यमियों के माध्यम से पायलट प्रशिक्षण और कस्टम हायरिंग स्प्रेयिंग सेवाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

ix. उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से परामर्शों और क्षेत्र स्तरीय प्रदर्शनों के माध्यम से देश के सभी 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में नैनो डीएपी को अपनाने के लिए एक महाअभियान शुरू किया है। इसके अतिरिक्त, उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से देश के 100 जिलों में नैनो यूरिया प्लस के फील्ड स्तरीय प्रदर्शनों और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए भी अभियान शुरू किया है।

नैनो यूरिया और नैनो डीएपी की कीमतें उर्वरक कंपनियों द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

*****